* स्मृतियाँ (The Smritis)

सूत्र साहित्य के बाद स्मृतियों की रचना हुई। स्मृतियों में राजा के अधिकारों, कर्तव्यों के सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक विधानों की चर्चा है। ये ग्रन्थ हमें हिन्दू समाज के संबन्ध में जानकारी देती है। डॉ० बूहलर के अनुसार "मनुस्मृति" की रचना 200 ई० पूर्व से 200 ई० के मध्य हुई होगी। इसके बाद अन्य स्मृतियों की रचना हुई। मनु के अतिरिक्त नारद, बृहस्पति, विष्णु तथा याज्ञवल्क्य की स्मृतियाँ हिन्दू समाज के जीवन के सम्बन्ध में जानकारी देती है।

* महाकाव्य

महाकाव्य में रामायण और महाभारत सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। वाल्मीकि रामायण में एक आदर्श राज्य एवं राजा का उल्लेख है। इससे राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महाभारत रामायण से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसकी रचना वेदव्यास ने की। यह आर्यों के दो समुदायों कुरु और पाण्डव के राज्य-अधिग्रहण के संघर्ष की कहानी कहता है। इसमें राज्य और राजा की उत्पत्ति, राजा के अधिकार एवं कर्तव्य, मंत्रिपरिषद, अन्य पदाधिकारी, सामाजिक संस्थाएँ एवं नियम, आर्थिक व्यवस्था, व्यापार-वाणिज्य, विभिन्न राजधानियाँ इत्यादि का विस्तृत और रोचक विवरण दिया गया है जिससे प्राचीन भारतीय व्यवस्था पर काफी प्रकाश पड़ता है।

* पुराण → वेदों के समान पुराण भी अत्यधिक प्राचीन ग्रन्थ है। पुराण की संख्या 18 है- ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण, वैष्णव पुराण, वायव्य पुराण या शैव पुराण, भगवत् पुराण, नारदीय पुराण, मारकण्डेय पुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, लैंग पुराण, वराह पुराण, स्कन्द पुराण, गरुड़ पुराण, ब्रह्माण्ड पुराण, आग्नेय पुराण, भविष्य पुराण, वामन पुराण, कौर्म पुराण, और मत्स्य पुराण।

P.T.O.

Scanned with CamScanner